Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 29 ▫ अंक- 134 ▫ रायपुर, रविवार 7 जून 2026 ▫ पृष्ठ-8 ▫ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

3 माह में दूसरी बार महंगा हुआ घरेलू सिलिंडर, रसोई गैस में 29 रुपए बढ़े

नई दिल्ली, 7 जून (न्यूज चैनल)। आम लोगों को महंगाई का एक और झटका लगा है। सूत्रों के अनुसार, घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलिंडर की कीमतों में 29 रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई है। नई दरें 7 जून यानी आज से लागू हो गई है। कीमतों में बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलिंडर की कीमत 913 रुपये से बढ़कर 942 रुपये हो जाएगी। यह पिछले तीन महीनों में दूसरी बार है जब घरेलू गैस सिलिंडर के दाम बढ़ाए गए हैं। इससे पहले 7 मार्च को प्रति सिलिंडर 60 रुपये की वृद्धि की गई थी।

सूत्रों के हवाले से बताया कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। मार्च में की गई 60 रुपये की वृद्धि के बावजूद तेल विपणन कंपनियों को घरेलू एलपीजी बिक्री पर नुकसान उठाना पड़ रहा था। ताजा संशोधन से पहले सरकारी तेल कंपनियों को हर घरेलू एलपीजी सिलिंडर पर लगभग 703 रुपये का नुकसान हो रहा था। ऐसे में बढ़ती लागत को देखते हुए कीमतों में इजाफा करना आवश्यक माना गया। मई में पेट्रोल और डीजल की कीमतें कुल मिलाकर 7.50 प्रति लीटर बढ़ चुकी हैं, जबकि छ्हल करीब 6 प्रति किलो महंगी हुई है। अनुमान है कि कंपनियों को पेट्रोल पर करीब 11 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 33.6 रुपये प्रति लीटर तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

अखिलेश ने एक्स पर लिखा- रोटी के महंगे होने से थाली गई रूठ, भाजपा से अब तो, हर आस गई टूट

एलपीजी गैस सिलिंडर की कीमत में बढ़ोतरी के बाद विपक्ष एक बार फिर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमलावर है। इसीक्रम में समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस पार्टी ने सरकार को घेरा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शायराना अंदाज में सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, रोटी के महंगे होने से थाली गई रूठ, भाजपा से अब तो, हर आस गई टूट। इससे पहले, कांग्रेस पार्टी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से पोस्ट किया, महंगाई मैन मोदी का चाबुक फिर चला है। अब घरेलू गैस सिलिंडर 29 रुपये महंगा कर दिया गया। मोदी का फंडा साफ है- जनता से वसूली करो, अमीर दोस्त की तिजोरी भरो। बता दें कि सरकारी तेल कंपनियों ने 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलिंडरों की कीमत में 29 रुपये की वृद्धि की है। इसके साथ ही, दिल्ली में सिलिंडर की कीमत 913 रुपये से बढ़कर 942 रुपये हो गई है। फरवरी में कमर्शियल एलपीजी की कीमत में 49 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। इसके बाद मार्च में 115 रुपये की एक और वृद्धि हुई। बीते दिनों दिल्ली और आसपास के इलाकों में कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमत में भी दो रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की गई थी। 15 मई से सीएनजी की कीमतों में चार अलग-अलग संशोधनों के जरिए कुल छह रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई।

धमतरी में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत बढ़कर 1021 रु हुई

धमतरी 7 जून (हाईवे चैनल)। देश में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोत्तरी हुई है। घरेलू गैस 14.2 किलोग्राम सिलेंडर की कीमत में 29 रुपये का इजाफा हुआ है। धमतरी में 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 992.50 रुपये से बढ़कर 1021.50 रुपये हो गई है। नया रेट 7 जून से लागू होगा। तीन महीने में दूसरी बार घरेलू गैस सिलेंडर के दाम बढ़े हैं। अंतरराष्ट्रीय ईंधन कीमतों में वृद्धि होने के बाद सात मार्च को एलपीजी के दाम बढ़े थे। प्रति सिलेंडर 60 रुपये की बढ़ोत्तरी हुई है। इसके तीन महीने बाद गैस के दाम फिर 29 रुपये बढ़े हैं। तीन महीने में 14.2 किलोग्राम वाला गैस सिलेंडर कुल 89 रुपये महंगा हो चुका है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में वृद्धि के चलते सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं को लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस वजह से एलपीजी, पेट्रोल और डीजल समेत अन्य तरह के फ्यूल के भी दाम बढ़े हैं। सीएनजी भी महंगी हुई है।

बिगड़ रहा रसोई का बजट: पहले ही पेट्रोल डीजल के भाव बढ़ने से लोग परेशान थे अब गैस की रेट बढ़ने से किचन का बजट बिगड़ रहा है। लगातार मंहगाई का असर आम जनता के जीवन स्तर पर पड़ रहा है। पहले ही पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से अन्य वस्तुओं के दाम भी बढ़ रहे है। इससे जनता पर मंहगाई की मार बढ़ती जा रही है।

चिदंबरम का बड़ा दावा
डीएमके को जानकारी देने के बाद ही कांग्रेस ने टीवीके को दिया था समर्थन

नई दिल्ली, 7 जून (न्यूज चैनल)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने कहा है कि उनकी पार्टी ने टीवीके को समर्थन देने का फैसला डीएमके नेतृत्व को जानकारी देने के बाद ही लिया। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और डीएमके ने मिलकर चुनाव लड़ा था। चुनाव के बाद टीवीके को सरकार बनाने में मदद करने के लिए कांग्रेस ने सबसे पहले अपने पांच विधायकों का समर्थन देने की पेशकश की थी। चिदंबरम ने शनिवार को एक निजी समाचार चैनल को बताया कि अगर टीवीके सदन में बहुमत हासिल नहीं कर पाती, तो राज्य में दोबारा चुनाव कराने की नौबत आ जाती। वे और उनके गठबंधन के साथी इस स्थिति से बचना चाहते थे। उन्होंने कहा कि आम जनता भी दोबारा चुनाव नहीं चाहती थी। चिदंबरम ने दावा किया कि कांग्रेस ने इस फैसले के बारे में सीपीआई, वीसीके और आईयूएमएल जैसे सहयोगियों को भी पहले ही बता दिया था। उन्होंने कहा कि बस फर्क इतना था कि कांग्रेस ने सहयोगियों से एक दिन पहले ही टीवीके को समर्थन देने की घोषणा कर दी।

इस फैसले के तुरंत बाद गठबंधन में दरार दिखने लगी। उदयनिधि स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके की युवा इकाई ने एक बैठक की और एक प्रस्ताव पारित किया। इसमें कांग्रेस पर डीएमके के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया गया। डीएमके के वरिष्ठ नेता टीआर बालू ने भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने उन लोगों को धोखा दिया है जिन्होंने इस गठबंधन को वोट दिया था। साल 2026 के विधानसभा चुनावों में विजय के नेतृत्व वाली टीवीके 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी।

गैस सिलेंडर फटने से बड़ा हादसा एसईसीएल डिप्टी मैनेजर की मौत

कोरिया, 7 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले से दर्दनाक हादसे सामने आया है. एसईसीएल चरचा कॉलरी क्षेत्र स्थित चाइना ब्लॉक में शनिवार रात करीब 11:30 बजे एक क्वाटर में गैस सिलेंडर सिलेंडर ब्लास्ट हो गया. धमाकेदार विस्फोट में एसईसीएल के डिप्टी मैनेजर के. वी. नंदन की मौके पर ही मौत हो गई. घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के मुताबिक, सिलेंडर ब्लास्ट होने से पूरा क्षेत्र दहल गया. काफी दूर तक धमाके की आवाज सुनाई दी. लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. सूचना पर पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी और बचाव दल मौके पर पहुंचे।

ब्रेकिंग न्यूज

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर सांसद तन्खा ने साधा निशाना, कहा- सिर्फ पूंजीवादियों का ही हुआ इजाफा

रायपुर, 7 जून (हाईवे चैनल)। राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा आज रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3261 के एक कार्यक्रम में शामिल होने रायपुर पहुंचे. इस दौरान एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए पूंजीवादियों की सरकार बताया. वहीं छत्तीसगढ़ को अपना दूसरा घर भी बताया. केंद्र सरकार के लगभग 12 वर्षों के कार्यकाल पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद तन्खा ने कहा कि यह पूंजीवादी सरकार है, जिसमें पूंजीवादियों का ही इजाफा हुआ है. उन्होंने आगे कहा कि पिछले वर्षों में देश की आम जनता ने कई चुनौतियों का सामना किया, यह सरकार की नीतिगत विफलता है. बढ़ती महंगाई और एलपीजी सिलेंडरों के दामों में उछाल को लेकर राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने कहा कि महंगाई आसमान छू रही है. मिडिल क्लास के लिए यह मुसीबत की घड़ी है. सबको पता था कि आज यह वैश्विक मुसीबत है।

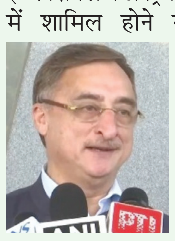

अंतागढ़-रायपुर लोकल ट्रेन में जान जोखिम में डालकर यात्री सफर को मजबूर

बालोद, 7 जून (हाईवे चैनल)। अंतागढ़-रायपुर डेमू ट्रेन में भीड़ अधिक होने की वजह से यात्री जान जोखिम में डालकर यात्रा करते हैं. सोशल मीडिया में वायरल हो रहे वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि यात्री किस तरह से बोगी के अंदर जगह नहीं होने की वजह से गेट पर लटककर यात्रा करने को मजबूर हैं। दरअसल, यह वीडियो ट्रेन से सफर कर रहे किसी यात्री ने बनाया है. यह वीडियो एक-दो दिन की नहीं, बल्कि ट्रेन में रोजाना यात्रा करने वाले उन छोटे व्यापारियों की, छात्रों की और मजदूरों की है, जो काम के सिलसिले में रोजाना बालोद-गुंडरदेही से मरोदा, दुर्ग या फिर रायपुर आना-जाना करते हैं। ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों का कहना है कि दल्ली राजहरा, गुंडरदेही या फिर बालोद से दुर्ग-रायपुर तक आने-जाने के लिए ट्रेन की सबसे सस्ता और कम समय लेने वाला सफर होता है. लेकिन गिनती की ट्रेनें और उनमें भी आम लोकल ट्रेनों की तुलना में कम बोगी लगाए जाने से लोगों को मजबूरी में गेटों में लटककर यात्रा करना पड़ता है।

जानकार बताते हैं कि अंतागढ़-दुर्ग-रायपुर रुट पर यात्री ट्रेनों को चलाना रेलवे प्रशासन मजबूरी के तौर पर देखता है. दरअसल, इस रुट से भिलाई इस्पात संयंत्र के लिए लौह अयस्क का आपूर्ति की जाती है, और इस रुट का निर्माण भी इसी उद्देश्य की खातिर किया गया है. अगर यात्री ट्रेन चलाएंगे तो माल आपूर्ति प्रभावित होगी, जिसकी वजह से गिनती की ही यात्री ट्रेनों का परिचालन किया जाता है।

संभागीय समीक्षा बैठक में अफसरों को सख्त निर्देश
सीएम साय ने कहा- किसानों को खाद-बीज की कोई कमी न हो, तेल नदी पर एनीकट के लिए 7 करोड़ स्वीकृत

रायपुर, 7 जून (हाईवे चैनल)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि किसानों को खाद और बीज की उपलब्धता में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। छोटे और सीमांत किसानों को प्राथमिकता के आधार पर खाद-बीज उपलब्ध कराया जाए तथा इसकी जवाबदेही संबंधित कलेक्टरों की होगी। मुख्यमंत्री साय आज गरियाबंद जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में रायपुर संभाग के जिलों की संभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कृषि अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे गांव-गांव जाकर किसानों को नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के लाभों की जानकारी दें, ताकि आधुनिक कृषि तकनीकों का अधिकतम उपयोग हो सके। उन्होंने अवैध रेत उत्खनन के विरुद्ध तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। लगभग साढ़े तीन घंटे तक चली इस मैराथन समीक्षा बैठक में रायपुर, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद और बलौदाबाजार जिलों के कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास योजनाओं, कानून-व्यवस्था, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने गरियाबंद जिले के सुपेबेड़ा क्षेत्र में पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए तेल नदी पर एनीकट निर्माण के लिए 7 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने कहा कि लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और पेयजल जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आम नागरिकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होनी चाहिए तथा प्रशासन के प्रति जनता की शिकायतों को न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य किया जाए।

सीएम ने राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में तेजी लाने, टीबी मुक्त पंचायतों के निर्माण, आयुष्मान कार्डों का शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने, जल जीवन मिशन के कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के पात्र हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए।

गर्मी से मिलेगी राहत! छत्तीसगढ़ की तरफ तेजी से बढ़ा मानसून, मौसम विभाग ने जारी किया भारी बारिश का अलर्ट

रायपुर, 7 जून (हाईवे चैनल)। चिलचिलाती धूप और उमस से परेशान छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर है। प्रदेश में मानसून की एंट्री का काउंटडाउन शुरू हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून अगले 4 से 5 दिनों में छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में दस्तक दे देगा। राहत की बात यह है कि मानसून महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के रास्ते मध्य भारत की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहा है।

फिलहाल, मौसम वैज्ञानिकों ने अगले 5 दिनों तक प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में आंधी-तूफान, गरज-चमक और हल्की से मध्यम बारिश की आशंका जताई है। खासकर दक्षिण छत्तीसगढ़ (बस्तर संभाग) में मौसम की हलचल सबसे ज्यादा रहने वाली है। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के तापमान में कोई बहुत बड़ा उलटफेर नहीं देखा गया। बिलासपुर शहर एक बार फिर सबसे गर्म रहा, जहाँ अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं, पेंड्रा रोड में सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस रहा। इस बीच, प्रदेश के कई हिस्सों में प्री-मानसून की बारिश भी हुई है। सक्ती जिले के चंद्रपुर में सबसे ज्यादा 20 मिलीमीटर पानी गिरा। इसके अलावा गरियाबंद के देवभोग, बस्तर और जांजगीर-चांपा के नवागढ़ में 10-10 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई, जिससे लोगों को उमस से थोड़ी राहत मिली है।

मौसम के इस मिजाज के पीछे वैज्ञानिक कारण हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस समय झारखंड और उसके आसपास के आसमान में एक ऊपरी हवा का चक्रवाती घेरा बना हुआ है। इसके साथ ही, झारखंड से लेकर सीधे तेलंगाना तक एक ट्रफ लाइन गुजर रही है, जो छत्तीसगढ़ के बीच से होकर जा रही है। यह पूरा सिस्टम बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी खींच रहा है। इसी वजह से बादलों की गड़गड़ाहट और बारिश की स्थिति बन रही है। इसके अलावा, उत्तर-पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर भी एक चक्रवाती सिस्टम एक्टिव है, जो आने वाले दिनों में मौसम को और ज्यादा बदलेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले 5 दिनों तक छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। यानी पारा 41 से 42 डिग्री के आसपास ही टिका रहेगा, लेकिन दोपहर के बाद चलने वाली ठंडी हवाएं और आंधी-बारिश लोगों को गर्मी से राहत देती रहेंगी।

इलाज के दौरान महिला की मौतः नर्सिंग होम और डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप

बिलासपुर, 7 जून (हाईवे चैनल)। न्यायधानी बिलासपुर के रतनपुर में एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई, परिजनों ने निजी नर्सिंग होम और डॉक्टर पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच के बाद कार्रवाई की बात कह रही है। जानकारी के अनुसार, रतनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पोड़ी नवागांव निवासी 50 वर्षीय कुमारी बाई साहू को लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्या से परेशान थी। वह पति ईश्वर साहू के साथ उपचार के लिए पहले रतनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची थी। परिजनों का आरोप है कि वहां जांच के दौरान डॉक्टर नेहल झा ने महिला को बच्चेदानी में समस्या बताते हुए ऑपरेशन कराने की सलाह दी। इसके साथ ही कथित तौर पर डॉक्टर ने अपने निजी अस्पताल मातृका नर्सिंग होम में ऑपरेशन कराने की बात कही। परिजनों के मुताबिक, महिला को बाद में निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां ऑपरेशन की तैयारी शुरू की गई। आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा ऑपरेशन के लिए 15 हजार रुपये भी जमा कराए गए।

टीडीपी ने राज्यसभा चुनाव के लिए घोषित किए तीन उम्मीदवार
विजय, रामकृष्ण और सतीश को मिला टिकट

नई दिल्ली, 7 जून (न्यूज चैनल)। आंध्र प्रदेश में आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी ने अपने तीन उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। टीडीपी प्रमुख और मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने चिंतकायला विजय, भाष्यम रामकृष्ण और मौजूदा राज्यसभा सदस्य साना सतीश को पार्टी उम्मीदवार बनाया है। नायडू ने वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में तीनों नेताओं को बी-फॉर्म सौंपे। इस फैसले को टीडीपी की नई राजनीतिक रणनीति और संगठन में वफादार नेताओं को आगे बढ़ाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

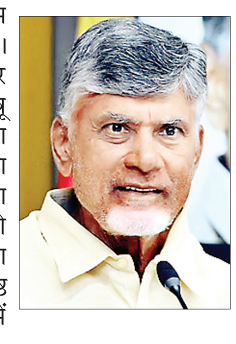

टीडीपी ने जिन तीन नेताओं को राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है, उनमें चिंतकायला विजय पार्टी संगठन में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। विजय फिलहाल टीडीपी के प्रदेश महासचिव हैं और पहले तेलुगु युवथा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने अमेरिका और भारत के संस्थानों से पॉलिटिकल मैनेजमेंट और गवर्नेंस की पढ़ाई की है। दूसरे उम्मीदवार भाष्यम रामकृष्ण शिक्षा क्षेत्र से जुड़े बड़े नाम माने जाते हैं। वे एक निजी शैक्षणिक समूह के अध्यक्ष हैं, जिनके संस्थान आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में चलते हैं। पार्टी के मुताबिक उन्होंने शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में कई काम किए हैं। तीसरे उम्मीदवार साना सतीश पहले से राज्यसभा सदस्य हैं और पार्टी नेतृत्व ने उन पर एक बार फिर भरोसा जताया है।